केशोरायपाटन के खेल महोत्सव की अंतिम प्रतियोगिताओं के दौरान माननीय अध्यक्ष का भाषण

श्रीमती चंद्रकांता मेघवाल जी

विधायक केशोरायपाटन

श्री विशाल शर्मा

खेल महोत्सव, केशोरायपाटन के आयोजकगण;

और देवियो एवं सज्जनो

———

मुझे आज केशोरायपाटन में आयोजित खेल महोत्सव की अंतिम प्रतियोगिताओं के दौरान आप सभी के बीच उपस्थित होकर बहुत खुशी हो रही है।

सबसे पहले, मैं उन सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूं जिन्होंने फाइनल में जगह बनाई है; और साथ ही विजेताओं, उनकी टीमों, कोचों और इन खेलों से जुड़े सभी हितधारकों, जिन्होंने राजस्थान में केशोरायपाटन और लाखेरी, बूंदी का गौरव बढ़ाया है, उन सभी को भी बधाई देता हूं।

मैं इस महोत्सव के आयोजकों को भी बधाई देता हूं और मुझे विश्वास है कि वे हमारे खिलाड़ियों और उनकी टीमों को क्षेत्रीय, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी के लिए सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करेंगे।

केशोरायपाटन में आयोजित खेल महोत्सव केवल खेलों की ही प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह इस पवित्र भूमि के लोगों की लगन, प्रतिबद्धता और अटूट विश्वास का उत्सव है।

आज विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। और आज भारत दुनिया की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मैं समझता हूँ कि हमारे युवाओं को अगर सही दिशा और पर्याप्त अवसर दिए जाए, अगर हमारे नौजवान अपनी क्षमता का पूरा उपयोग करें, तो वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया का सबसे विकसित देश होगा। वह दिन दूर नहीं जब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में पहले नंबर पर होगी।

हमारे युवा जब अपने पूरे सामर्थ्य से आगे बढ़ेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चाहे कॉमनवेल्थ हो, एशियन गेम्स हो या ओलिम्पिक खेल हो, भारत के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतकर दुनिया में तिरंगा फहराएंगे।

मैं राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति और समृद्ध विरासत को बनाए रखने और केशोरायपाटन में नियमित रूप से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करके समृद्ध खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में आपके प्रयासों के लिए आप सभी की सराहना करता हूं। इनसे राजस्थान के पराक्रम और देशभक्ति की सच्ची भावना प्रदर्शित होती है। जिसके लिए राजस्थान को जाना जाता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इस भूमि में शांति काल के दौरान अनेक खेलों में भाग लिया जाता रहा है। पोलो, गोल्फ, तीरंदाजी, पतंग उड़ाना, विंटेज कार रैली आदि कुछ ऐसे खेल और मनोरंजक कार्यकलाप हैं जो राजस्थान में काफी लोकप्रिय हैं।

आप सभी जानते होंगे कि हमारे भारत में प्राचीन काल से ही खेल-कूद की एक समृद्ध परंपरा रही है। वास्तव में, खेलों ने प्राचीन काल से ही भारतीय

समाज में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं को एक विशिष्ट दिशा प्रदान की है। वे भारत के सांस्कृतिक परिवेश के एक मूलभूत घटक हैं।

प्राचीन काल से ही देश में शारीरिक शिक्षा की एक वैज्ञानिक प्रणाली विद्यमान रही है। योग और प्राणायाम, एक ऐसी गतिविधि है जिसमें आसन और श्वास संबंधी व्यायाम शामिल होता है, और यह हमारे देश में काफी लोकप्रिय रही है।

इसके अलावा, कई शारीरिक क्रियाकलाप जैसे रथ दौड़, हाथी और घोड़े की सवारी, तलवारबाजी, कुश्ती, मुक्केबाजी, कबड्डी, खो-खो, नृत्य, दंड-बैठक, मलखंब, लाठी भांजना और कई अन्य स्थानीय खेल सदियों से खेले जाते रहे हैं। ऋग्वेद, रामायण और महाभारत काल के दौरान, एक निश्चित वर्ग के लोगों से रथ-दौड़, तीरंदाजी, सैन्य रणनीति, तैराकी, कुश्ती और शिकार में पारंगत होने की आशा की जाती थी। अब भी, हमारे देश के अधिकांश गांवों में अखाड़े (शारीरिक प्रशिक्षण केंद्र) कार्यरत हैं।

अपने शक्तिशाली साम्राज्यों और बहादुर योद्धाओं की तरह ही राजस्थान का खेलों के क्षेत्र में भी एक समृद्ध इतिहास रहा है । हमने प्राचीन खेल परम्पराओं से लेकर वर्तमान खेलों की अपनी विरासत को बचाए रखने का प्रयास किया है।

राज्य के बहादुर सैनिक अपनी शारीरिक शक्ति के बल पर खुद को तैयार करते थे । कबड्डी और कुश्ती जैसे पारंपरिक खेल लोगों को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाते थे । केशोरायपाटन में आयोजित यह 'खेल महोत्सव', खेलों के प्रति हमारे उत्साह, भावी खिलाडियों को बढ़ावा

देने के हमारे दृढ़ संकल्प और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के गौरव को बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

आप सभी जानते हैं कि भारत में आज हर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवसर उपलब्ध हैं । एक युवा राष्ट्र के रूप में, हमारे देश में खेलों के क्षेत्र में अपार प्रतिभाएं मौजूद हैं। अब देश के प्रत्येक भाग से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हो रहे हैं। हम राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में खेलों को बढ़ावा दे रहे हैं। सरकार का पूरा ध्यान खेलों के क्षेत्र में देश में बेहतर बुनियादी सुविधाएँ विकसित करने पर है।

इस प्रयोजन हेतु पिछले कुछ वर्षों के दौरान हमारी सरकार ने केंद्रीय बजट आवंटन में काफी वृद्धि की है । 2014 में 864 करोड़ रुपये के बजट आवंटन को 2022 में बढ़ाकर 1,992 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के लिए वित्तीय वर्ष, 2023-24 में केंद्रीय बजट में 3397.32 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया।

2010 में भारत द्वारा राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी किए जाने के बाद मंत्रालय को अब तक का सर्वाधिक बजट आवंटित किया गया है । यह बजट आवंटन वर्ष 2011-12 के बजट आवंटन की तुलना में तीन गुना और 2014-15 के बजट आवंटन से लगभग दो गुना है।

हमारा उदेश्य भारत को खेलों की दुनिया में एक महाशक्ति बनाना है। इसलिए हम जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने पर अधिक जोर दे रहे हैं ताकि खेलों के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए जा सकें ।

इस दिशा में हमने देश में खेलों के विकास के लिए वर्ष 2016-17 में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम, 'खेलो इंडिया' की शुरूआत की ।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और खिलाडियों में खेलों के प्रति एक नया उत्साह पैदा करना है ताकि वे अपनी वास्तविक क्षमताओं का प्रदर्शन करे सकें। 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के तहत देश में खेलों के लिए बुनियादी सुविधाओं का निर्माण, उनके उपयोग और उन्नयन को प्राथमिकता दी गई है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) इस राष्ट्रीय पहल को बढ़ावा देने हेतु, राज्य स्तर पर खेल परिसरों का निर्माण करने, वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करने और क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय खेल अकादमियों को हर प्रकार की सहायता प्रदान करने जैसे कार्य कर रहा है।

मैं आप सभी को बताना चाहता हूँ कि भारतीय खेल प्राधिकरण के तहत अब 180 से अधिक केंद्र कार्य कर रहे हैं। 7500 से अधिक (7780) प्रतिभाशाली खिलाड़ी (4688 लड़के और 3092 लड़कियां) देशभर में 34 विभिन्न खेल स्पर्धाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं । ये खिलाड़ी हमारे समाज के विभिन्न वर्गों से आते हैं, जिनमें ग्रामीण, पिछड़े और जनजातीय क्षेत्र भी शामिल हैं । यह खेलों के क्षेत्र में भी हमारी समावेशी नीतियों और कार्यक्रमों का परिणाम है।

राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों के विशेष प्रशिक्षण के उद्देश्य से हमने 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस)' की शुरुआत की है जिससे

हमारे खिलाड़ी महत्वपूर्ण अतंर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं जैसे ओलंपिक, एशियन गेम्स और राष्ट्रमंडल खेल आदि में भारत को पदक दिलवा सकें।

भारत में लीग खेलों की शुरूआत होने के कारण यहां खेलों को प्रोत्साहन मिला है। क्रिकेट के अलावा अब भारत में कबड्डी लीग, फुटबॉल लीग, कुश्ती लीग आदि का भी आयोजन किया जा रहा है। इन लीग के आयोजन से देश के दूर-दराज के क्षेत्रों से कई प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हुआ है। हमे यह नहीं भूलना चाहिए कि सरकार अब खेल अवसंरचना में भी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा दे रही है। इससे आने वाले दिनों में हमारी खेल-संस्कृति में बड़े पैमाने पर परिवर्तन होगा ।

बीते कुछ वर्षों में हमने देखा है कि अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या में वृद्धि हुई है। वास्तव में, इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है। खेलों की विभिन्न विधाओं में भारत पुनः अपनी पहचान बना रहा है। कुश्ती, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, मुक्केबाज़ी, बैडमिंटन, टेनिस, हॉकी, शतरंज, जिम्नास्टिक्स और भाला फेंक जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में आज भारत अपनी पहचान बना चुका है।

आइए, हम सभी मिलकर यह संकल्प लेते हैं कि हम देश में खेलों को और अधिक बढ़ावा देंगे।

मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि 'खेलो इंडिया महिला लीग' आज देश के कई शहरों में आयोजित की जा रही है। अभी तक आयोजित प्रतियोगिताओं में अलग-अलग उम्र की लगभग 23,000 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। मेरा यह मानना है कि राज्य की महिलाओं के

लिए राजस्थान को ऐसी और भी 'खेलो इंडिया महिला लीग' प्रतियोगिता आयोजित करनी चाहिए। मैं सभी महिला खिलाड़ियों से अपील करना चाहूंगा कि आप सभी इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए आगे आएं, हम सभी आपके कौशल को निखारने में आपकी सहायता करेंगे। आप कोटा और राजस्थान की शान हैं।

भारत की इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद हम अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में दूसरे देशों से बहुत पीछे रह जाते हैं। देश में खेल अवसंरचना में लगातार सुधार की आवश्यकता है। इसके अलावा हमारे सामने ऐसी कई चुनौतियां हैं जिनसे पार पाने की आवश्यकता है ताकि देश के खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को निखारा जा सके।

देश की खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए हमें मान्यताप्राप्त अकादमियों, अच्छे मैदान और स्टेडियमों, स्वास्थ्य एवं आहार की उपयुक्त जानकारी, बेहतरीन कोचिंग सुविधाएं आदि की आवश्यकता है।

केंद्र सरकार ने देश में मैदानों और खेलों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से इस पर निवेश करना शुरू कर दिया है क्योंकि केवल कुछ राज्यों द्वारा इस क्षेत्र में निवेश किया जाना काफी नहीं है। आइए, हम सब भारत को खेलों में एक महाशक्ति बनाने की दिशा में मिलकर कार्य करें।

हाड़ौती ने देश को कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। ओलिंपियन अशोक कुमार, प्रभाकर शर्मा, प्रकाश कौशिक, एमपी सिंह सहित कई बड़े राष्ट्रीय खिलाड़ी यहाँ से निकले हैं। एक जमाने में यहाँ हॉकी का बोलबाला हुआ करता था।

साथियों, हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर यहां के खिलाड़ी चमकें। राजस्थान के सभी जिले प्रेरणा के लिए देखें तो हाड़ौती की ओर देखें।

चर्चा हो तो कोटा और बूंदी के खिलाड़ियों की हो। इसके लिए हम अपने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के वे सभी अवसर मुहैया करवाएंगे जिनकी कि उन्हें आवश्यकता है।

संसाधनों के अभाव में हमारी कोई प्रतिभा पीछे नहीं रहनी चाहिए। हम इस सोच के साथ कार्य कर रहे हैं। आज हमारा कोटा देशभर में एजुकेशन सिटी के नाम से जाना जाता है।

देश के कई हिस्सों से यहाँ स्टूडेंट्स आते हैं। कोई डॉक्टर बनने के लिए तो कोई इंजीनियर बनने के लिए, कोई अपने किसी और सपने को पूरा करने की तैयारी करता है।

हाड़ौती का नाम देश और प्रदेश में स्पोर्ट्स को लेकर भी जाना जाना चाहिए। हमारे यहाँ खेल की सभी सुविधाएं विकसित हो। कोई युवा बड़ी से बड़ी स्पोर्ट्स ट्रेनिंग करना चाहे तो उसे यही मिल जाए। इसी तरह यहाँ शिक्षा के उच्च प्रतिष्ठित संस्थान विकसित हो।

कोटा - बूंदी का कोई युवा विज्ञान में या किसी और क्षेत्र में शोध करना चाहे, तो यहाँ का एनवायरनमेंट ऐसा हो जो उसे आगे बढ़ाएं, उसकी सोच को डिवेलप करें।

हम इस भाव से यहाँ काम कर रहे हैं। इसके लिए सरकार की सभी योजनाएं जो कोटा-बूंदी को शिखर पर लेकर जा सकने में सहायक हैं, हम उन योजनाओं, कार्यक्रमों को यहाँ इम्प्लीमेंट कर रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि केशोरायपाटन में आयोजित 'खेल महोत्सव' इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान करेगा जो उन्हें राज्य स्तर पर, क्षेत्रीय स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएगा।

अपनी बात समाप्त करने से पहले मैं आयोजकों को बधाई देता हूं कि उन्होंने 'खेल महोत्सव' का आयोजन केशोरायपाटन, कोटा में करने की पहल की है। मैं एक बार फिर खेल महोत्सव के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देता हूं।

मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं कोटा में विश्व स्तर की अवसंरचना का विकास करके कोटा को राजस्थान में खेलों के लिए पसंदीदा स्थान बनाने हेतु पूरा सहयोग करूंगा ।

मैं आप सभी के भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूं।